कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या.... 511164

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

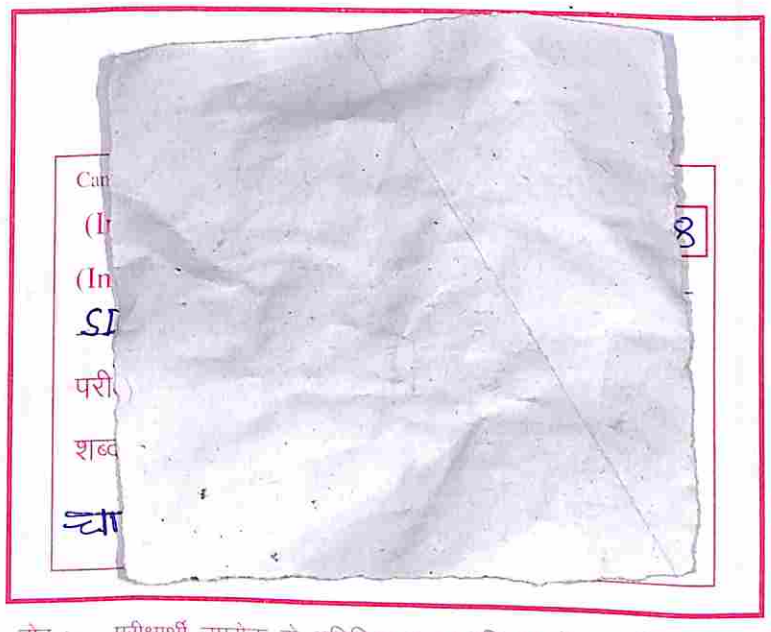

B.S.E.R. A

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय .... संस्कृत साहित्य

परीक्षा का दिन .... शुक्रवार

दिनांक 1/4/2022

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	79½
15	1½	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 3 1 5 4 5

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है।165/2019

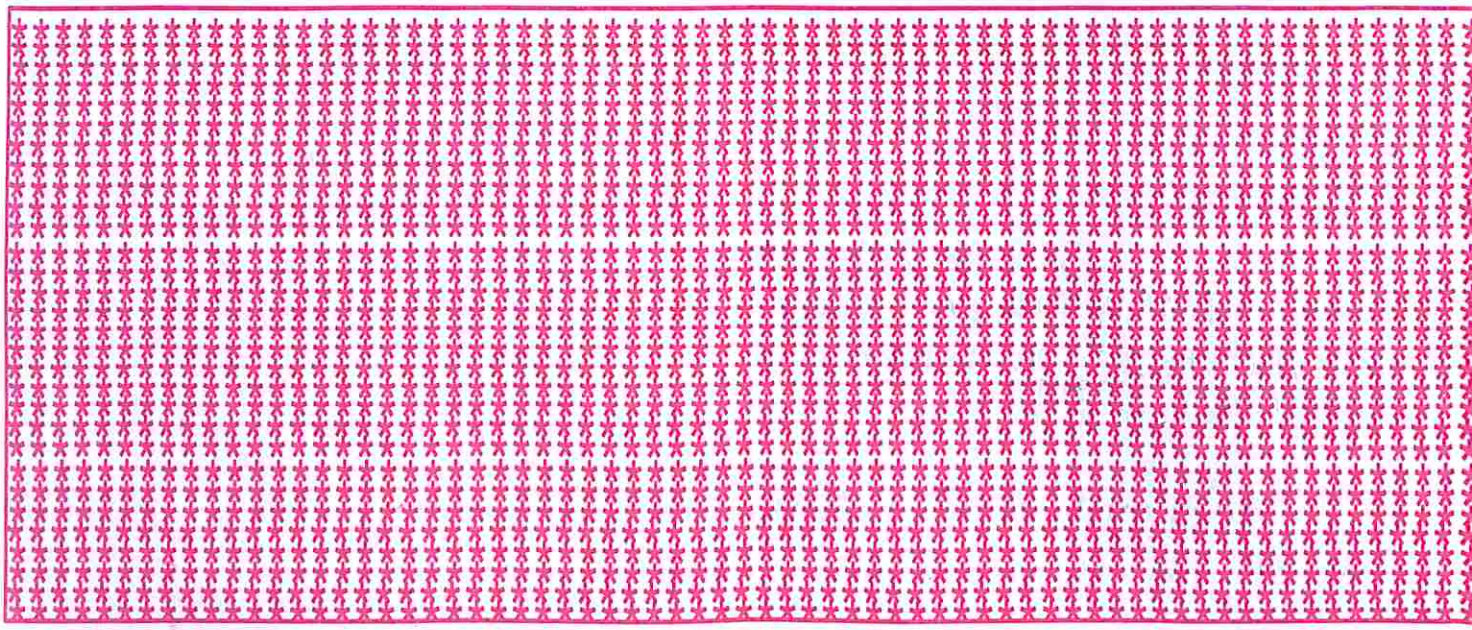

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र.1	
1	(i) Ans	(ब) अमृतम्
1	(ii) Ans	(अ) कौत्सः
1	(iii) Ans	(द) जनकस्य
1	(iv) Ans.	(स) रघुवंशात्
1	(v) As	(द) चन्द्रापीडम्
1	(vi) As.	(अ) अपमानमले
1	(vii) Ans	(ब) कूपखननम्
1	(viii) Ans.	(अ) सप्त

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(ix)	(स) अन्धकार।
1	(x) Ans.	(ब) सद्यम्
1	(xi) Ans.	(द) अश्रुधारा
1	(xii) Ans.	(ब) शिवबीरचर
12		
	प्र.2 (क)	
	(क)	पठ धु पुस्तकं पठत
1	(i)	पठत।
1	(ii)	गत।
	(ख) (i)	
1	Ans.	वद्(धा)+ अनीयर् (प्रत्यय

BSER-16-2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(ii) Ans.	दा (धातु) + तव्यत् (प्रत्यय) 1
	(ग) (i)	
1	Ans⇒	ग्रामम् 1
1	(ii) Ans.	सिंहात् 1
6		
	प्र.3 (क) (i)	उपनिषद् 1
	Ans	
	(ii) Ans⇒	सामवेद: 1
	(iii) Ans⇒	~~वीर रस~~ वासवदत्ता 1
	(iv) Ans.	महाकवि कालिदास 1
	(v) Ans.	महाकविभारवि 1

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(VI) Ans.	हनुमानदत्त ✓
1	(VII) Ans.	महाकवि सूर्यनारायण शास्त्री ✓
1	(VIII) Ans.	वीर रस ✓
1	(ix) Ans.	श्री निवासचार्य शास्त्री ✓
1	(X) Ans.	ऋषि केश भट्टाचार्य ✓
	(ख)	
	(i)	
1	Ans.	तृतीया विभक्ति सूत्र → सहयुक्तेऽप्रधाने सूत्र
1	(ii)	
1	Ans.	पंचमी विभक्ति सूत्र → ध्रुव-प्रभवति सूत्र
12		

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

94 (ii) अनुष्टुप छन्द (8 वर्ण)

लक्षण -> श्लोके षष्ठं गुरु ज्ञेयं
सर्वत्र लघु पञ्चमम्
द्विचतुष्पादयोर्ह्रस्वं
सप्तमं दीर्घमन्ययोः ।

2

उदाहरण -> गुरुः ब्रह्मा गुरुः विष्णुः
गुरुर्देवो महेश्वरः
गुरुः साक्षात् परब्रह्म
तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

95 (i)

Ans -> त्वमेव माता च पिता त्वमेव;
। S । S S । । S । S S -> उपेन्द्रवज्रा छन्द
जगण तगण जगण
वर्ण = 11

2

96 (i)

लक्षण -> सत्यर्थे पृथगर्थायाः स्वरव्यंजने संहते
क्रमेण तेनैव आवृत्ति यमकं विनिगद्यते ॥

1

उदाहरण -> नवपलाशपलाशं वनं पुरः
स्फुटपरागपरागत पंकजम्
मृदुलतान्तलतान्त मलोकयत

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

रन सुरभि सुरभि! सुमनोहरे:

(ii) श्लेष:
Ans→ लक्षण → श्लेषः पदैरनेकार्थाभिधाने श्लेष इष्यते

उदाहरण → उच्छलद् भूरि किलाल, शुशुभे वाहिनीपति॥

Q7.
(i)
Ans→ अनुप्रास अलंकार:

Q8.
(i) यगण

(ii)
Ans उत्प्रेक्षा अलंकार

Q9.
Ans. सहसा न क्रियाम् विदधीत अविवेक: परमापदां पदम्
गुणलुब्धा सम्पद: हि विमृश्यकारिणं स्वयं एव वृणुते॥

Q.10
(i) Ans→ गोद में
(ii) Ans→ वायु (प्राणवायु)
(iii) Ans→ सभा में
(iv) Ans→ पहुंचा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र 11	
	(i)	
1	Ans)	सद् + कार सूत्र → खरि च
1	(ii)	
	Ans)	उप + इन्द्रः सूत्र → आद्गुणः
2	प्र.12	
	(i)	
1	Ans.	जैनैकता सूत्र → वृद्धिरेचि सूत्र
1	(ii)	
2	Ans.	वागीशः सूत्र → झलो जशोऽन्ते सूत्र
	प्र.13	
	(i)	
1	Ans)	विज्ञानप्रधानं ।
1	(ii)	
2	Ans.	वैज्ञानिके : ।
	प्र.14	
	(i)	
1	Ans.	'विशिष्टं ज्ञानं विज्ञानम्' इति कथ्यते ।

BSER-163/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	(ii) Ans.	मानवजोत: हिताहितम् अपरयाद्भि: वैज्ञानिकै: राजनीतिविज्ञैर्वा परमाणुशस्त्रे: अस्त्रनिर्माणे एवं विरोक्त: उपयोग: विहित: ।
	Q.15 (i) Ans.	लोकध्वंसकार्यम्
	(ii) Ans.	विज्ञानस्य (परमाणुशस्त्रे: अस्त्रनिर्माणे)
	(iii) Ans.	प्रेषणे
1½	(iv)	मानव:
	Q.16 Ans.	विज्ञानस्य महत्वं
2		

BSER-HS/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.17
(ii)
Ans. सप्रसंग →

प्रस्तुत पद्यांश हमारी संस्कृत की पाठ्यपुस्तक शाश्वती भाग-2 के "विक्रमस्योदारयम" पाठ के 'सिंहासनद्वात्रंशिका' से ~~उद्धृत~~ उद्धृत है।
इस श्लोक में मित्रता का लक्षण बताते हुए कहा गया है कि मित्रता में दूर रहने व पास रहने से कोई फर्क नहीं पड़ता है, और ऐसे कहते हुए ~~कवि~~ लेखक कहते है कि -

व्याख्या ⟹

प्रस्तुत श्लोक में मित्रता ~~की~~ के बारे मे बताते हुए लेखक कहते है कि अगर कोई कहता है कि दूर रहने से मित्रता नष्ट हो जाति है, और पास रहने से मित्रता बढ़ती है तो यह कहना गलत है, क्योंकि दूर व पास मे रहने से मित्रता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, जिस प्रकार चाँद का मित्र कुमुदनि उससे बहुत दूर है। और सूर्य आसमान में है और कमल जल मे, और पर्वत पर निवास करता है और बादल आसमान मे ये इतने दूर होते हुए भी मित्रता निभाते है।
अतः कहा ही गया जो जिसका मित्र होता है वह उससे दूर नहीं है।
वह उसकी मूल्यवान वस्तु है।

18

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विशेष →

(i) इसमें मित्रता की विशेषता बताई गयी है कि जो जिसका मित्र है वह उससे दूर नहीं है। (ii) यह श्लोक अति शिक्षाप्रद है।

(iii) Ans

प्रसंग →

प्रस्तुत श्लोक संस्कृत की पाठ्पुस्तक शाश्वती के भाग-2 के 'सुक्तिसुधा' पाठ से लिया गया है। इस श्लोक के रचियता भृतहरि महाकवि है ~~यह इसमें~~ भृतृहरि विरचित नितीशतक से लिया गया श्लोक है। इसमें कवि कहते है ने सच्चे मित्र के लक्षण बताये है -

व्याख्या →

इस श्लोक के माध्यम से कवि ने सच्चे मित्र के लक्षण बताये है वो इस प्रकार है कि एक सच्चा मित्र (पाप) बुरे कामों से हटाता है और अच्छे कामों में लगाता है। हमारे गुणों को प्रकट करता है और हमारी बुराइयों को छिपाता है। हमें भोजन कराता है, और समय आने पर भोजन भी करता है।

अगर जिस मित्र में यह लक्षण है वही सच्चा मित्र है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		विशेष→
		(1) इस श्लोक में सच्चे मित्र का लक्षण बताया गया है।
1½		(2) सभी के जीवन में एक सच्चा मित्र तो होना ही चाहिए।
		(3) श्लोक अतिप्रेरणा दायक है
(3)		
	Q.18 (i)	
1	Ans	राजवचनम् ।
1	(ii) Ans.	अखिलमल प्रक्षालनक्षमम् अजलं स्नानम् ।
1	(iii)	
(3)	Ans.	शस्त्राम् ।
	Q.19. (i)	
1	Ans.	सुसंस्कृता वाणी ।
1	(ii) Ans.	~~वाग्भूषणं~~
1	Ans→	वाग्भूषणं भूषणं न क्षीयते ।
(3)	(iii) Ans→	भूषणानि ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	Q.20	
	(i)	
1	As.	अश्व:
	(ii)	~~अत्र~~
1	As.⇒	अत्र महाराज ' रामस्य ' प्रति प्रयुक्तम् ।
1	(iii)	
	As.	संदीपनानि
3		
	Q.21	
1	(i) As.	कानम् कम् ?
	(ii)	
1	As.⇒	कुत्र ?
	(V)	
1	As.⇒	केषाम् ?
1	(VI)	
	As.⇒	कै: ?
4					

BSER 165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.22

(iii) Ans) कृष्णेन सह राधा नृत्यति ।

(v) Ans) चोर राज्ञः भिबेति बिभेति ।

(vi) Ans) कविषु कालिदासः श्रेष्ठः अस्ति ।

(i) Ans) कामेश्वः मधुरं फलं खादति ।

23

Ans)

विद्यायाः महत्वम्

अस्माकं जीवने विद्याम अतिमहत्वं अस्ति ।
विद्याहिनः पुरुषः पशुः समानम् अस्ति ।
विद्या लब्ध्वा पुरुषः सर्वत्र सम्मानम् प्राप्नोति ।
विद्या अस्माकम मानसिक विकास करोति ।
विद्यायुक्त पुरुषः सर्वत्र पूजनीय अस्ति ।
विद्या अहम सर्वत्र परिभ्रमणं कर्तुं शक्नोति ।
विद्यालब्धता पुरुषः विनयशीलः भवति
विद्या मनुष्याय विनशील करोति ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विद्याका युक्त पुरुष! एव सर्वजनानाम् आदर करोति।
विद्यायुक्त मनुष्य स्वयं जीवने उन्नति करोति।
अहं अस्माकम् जीवने विद्या प्राप्तवेतुं सर्व ध परिश्रमं कर्तुं। विद्यायुक्त! पुरुष! एव स्व संस्कृति जानन्ति।
अत! अस्माकं जीवने विद्याया अतिमहत्व भवति।
सर्वे क्षेत्राणि विद्याया अतिशय! महत्वं अस्ति। ज्ञान विज्ञाने क्षेत्रे, अमृतादि, दूरदेशेषु सम्पर्के, आदि क्षेत्रेषु विद्याया अतिमहत्व अस्ति।

5

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

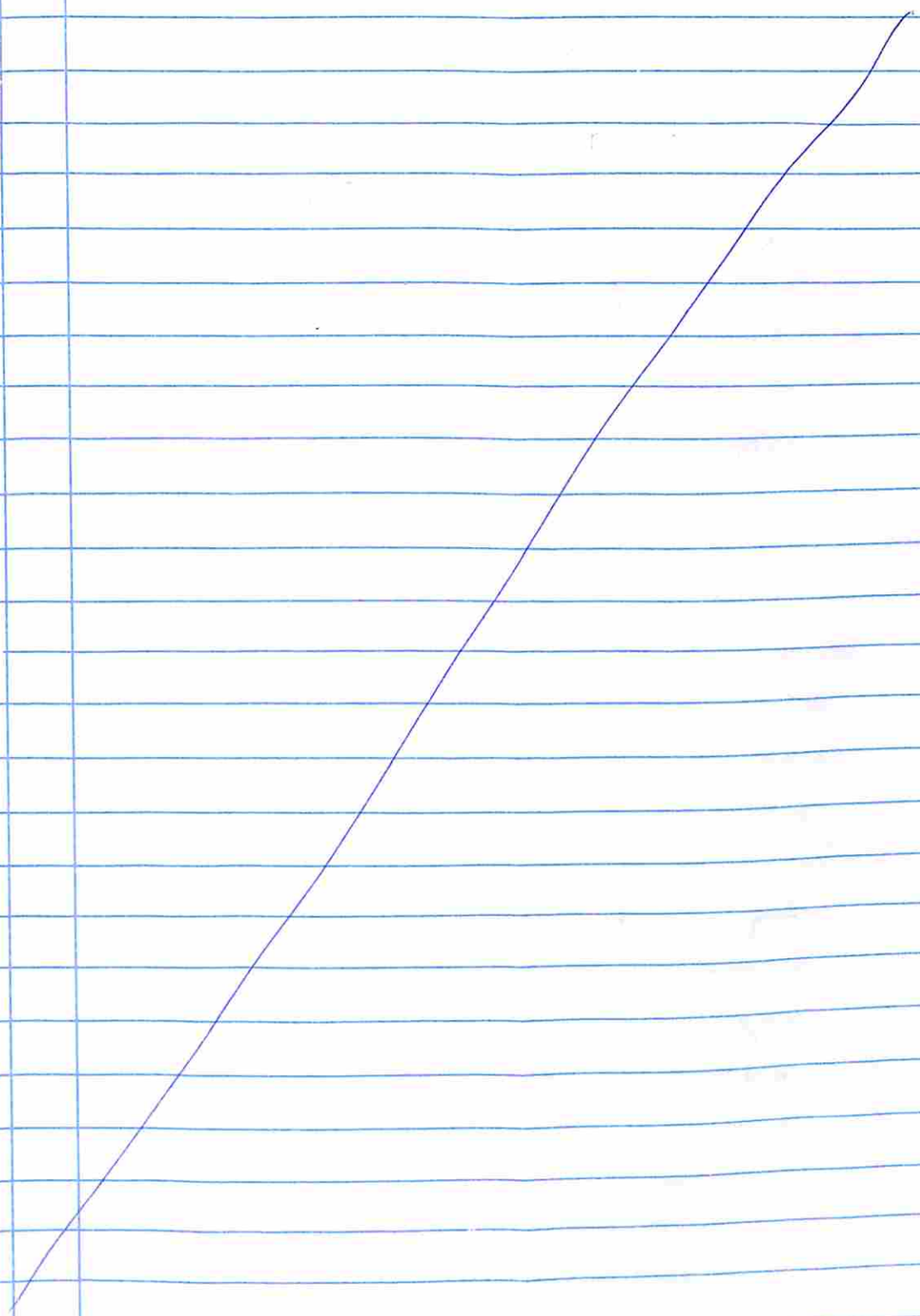

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

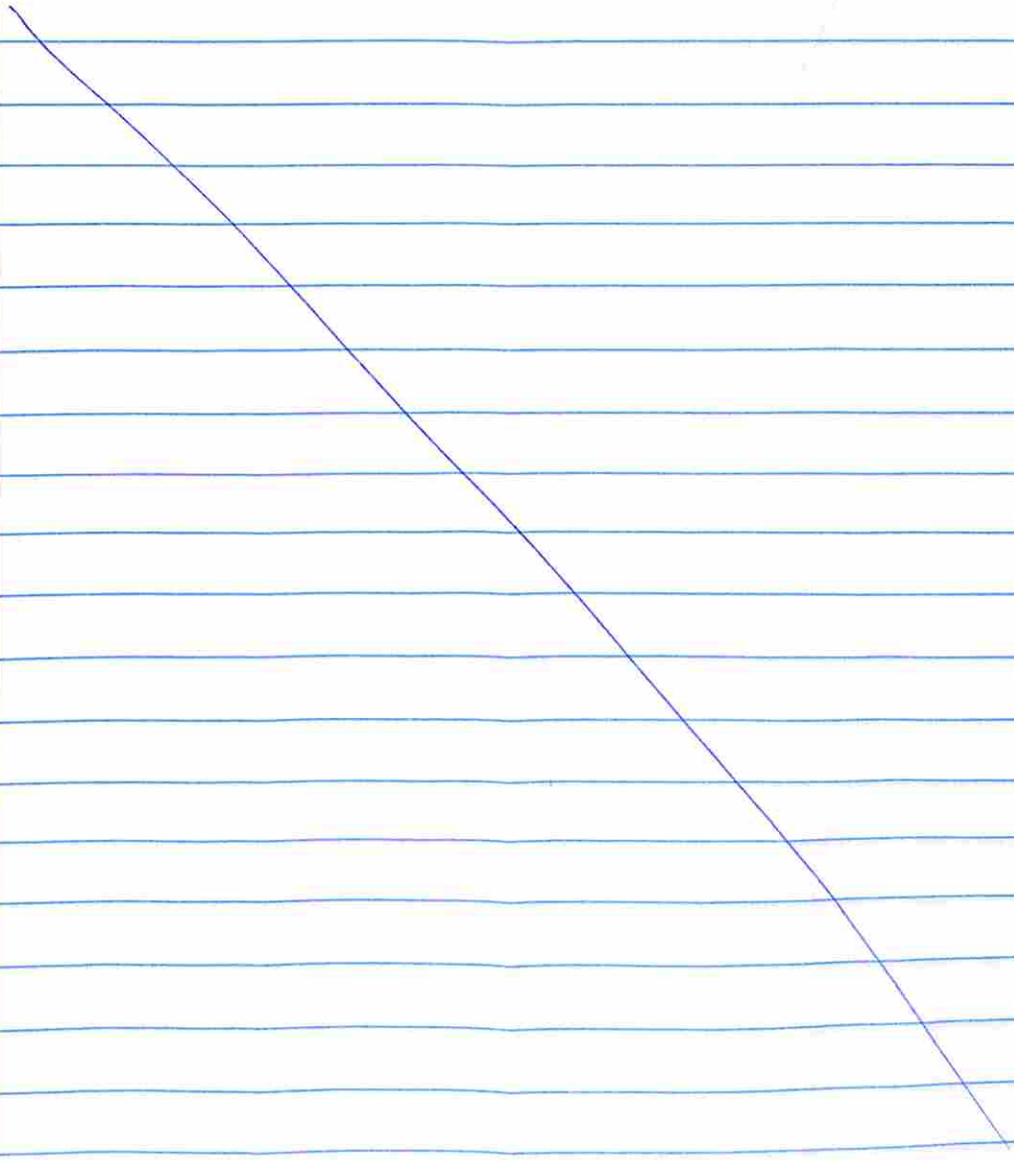

BSER 165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019